पाठ 1. कोई नहीं पराया

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. कवि ने संसार को घर कहा है।
2. कवि को मानवता का अभिमान है।
3. कवि ने आदमी को अपना आराध्य माना है।
4. धरती स्वर्ग से भी ज्यादा सुकुमार है।

III. लिखित कौशल

1. (क) कवि के अनुसार जहाँ प्रेम है, वहीं ईश्वर हैं। अर्थात् ईश्वर सभी के हृदय में निवास करते हैं। कवि का कहना है कि पुस्तकों में स्याही से लिखी धर्म की व्याख्या उन्हें स्वीकार नहीं है। इसलिए उन्होंने अपने धर्म को 'स्याही' और शब्दों का 'गुलाम' नहीं माना है।

   (ख) घट-घट में राम कहकर कवि भगवान के प्रति अपना भक्ति भाव व्यक्त करना चाहते हैं। उनका मानना है कि भगवान राम तो संसार के कण-कण में बसे हैं।

   (ग) 'जियो और जीने दो' के लिए कवि आपस में प्यार बाँटने को कहते हैं।

   (घ) मानवता का मार्ग सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि इस मार्ग पर चलकर ही हम दूसरों के प्रति प्रेम, त्याग, सहयोग एवं समर्पण का भाव रख सकते हैं और समाज एवं संसार को उन्नति की ओर ले जा सकते हैं।

2. (क) कवि मानवता को सर्वोपरि मानते हैं। उनके अनुसार कोई मनुष्य कहीं भी, कैसे ही रहे उन्हें प्रत्येक मनुष्य से प्यार है। उन्हें मानवता पर गर्व है क्योंकि वे देवत्व से ज्यादा मानवता को अच्छा मानते हैं। कवि के कहने का भावार्थ यही है कि संसार में मानवता से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

   (ख) कवि कहता है कि मैं 'जियो और जीने दो' का संदेश देता हूँ और एक-दूसरे से जितना प्यार बाँट सको उतना प्यार बाँटो। यदि हँसो तो इस तरह हँसो कि तुम्हारे साथ कमज़ोर वर्ग भी हँसे अर्थात् समाज में ऐसे काम करो कि सबका विकास हो और ऐसे आगे बढ़ो जिससे किसी दूसरे को तकलीफ न हो।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. 'वसुधैव कुटुंबकम' का अर्थ है विश्व एक परिवार है। कवि गोपालदास 'नीरज' ने इस कविता में इसी सिद्धांत के बारे में चर्चा की है। उनके अनुसार सारा संसार एक परिवार है और हमें बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक मनुष्य से प्यार करना चाहिए और मानवता को सर्वोपरि मानना चाहिए।
2. 'जियो और जीने दो' का सिद्धांत कहता है कि स्वयं भी आज़ादी से जियो और दूसरों को भी जीवन जीने की स्वतंत्रता दो। चूंकि सारा संसार एक परिवार है अतः सभी को जीने का समान अधिकार है।

VI. भाषा कौशल

1. जाति-पाँति, देश-काल, ऊँची-ऊँची, घट-घट, मंदिर-मस्जिद, स्वर्ग-सुख

2.

	उपसर्ग	मूल शब्द
(क)	अभि	मान
(ख)	स	कल
(ग)	सु	कुमार
(घ)	उप	वन

3. **मूल शब्द** **प्रत्यय**

(क)	मानव	ता
(ख)	अमर	त्व
(ग)	देव	त्व
(घ)	दल	इत

4. (क) देश – वतन, राष्ट्र, मुल्क

(ख) इनसान – मनुष्य, मानव, आदमी

(ग) धरती – धरा, पृथ्वी, ज़मीन

(घ) फूल – पुष्प, सुमन, कुसुम

(ङ) संसार – जगत, दुनिया, विश्व

5. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 2. नेकी बनी बदी

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. लेखक के कार्यालय में चार चपरासी काम करते थे।
2. गरीब बड़े बाबू के लिए अपने घर से कुछ नहीं लाता था इसलिए बड़े बाबू ने गरीब को मक्खीचूस कहा था।
3. जब गरीब अपने घर से खाने-पीने की चीज़ें लाने लगा तब उसका कार्यालय में मान-सम्मान होने लगा।
4. गरीब ने ठेलेवालों से दलाली के रूप में चार आने लिए थे।

III. लिखित कौशल

1. (क) गरीब लेखक के कार्यालय में चपरासी था। वह बेचारा बहुत ही सीधा, बड़ा आज्ञाकारी, अपने काम में चौकस रहने वाला, घुड़कियाँ खाकर चुप रह जाने वाला इनसान था।

   (ख) गरीब के घर मनों दूध होता है, मनों जौ, चना, मटर होती है लेकिन वह इन सब चीज़ों को किसी को देता तक नहीं था। कार्यालय के लोग इन सब चीज़ों के लिए तरसते थे इसलिए वे लोग गरीब से चिढ़ते थे।

   (ग) एक दिन बड़े बाबू ने गरीब से अपनी मेज़ साफ़ करने को कहा। वह तुरंत मेज़ साफ़ करने लगा। दैवयोग से झाड़न का झटका लगा तो दवात उलट गई और रोशनाई मेज़ पर फैल गई। बड़े बाबू यह देखते ही क्रोधित हो गए।

   (घ) लेखक ने गरीब को समझाया, "भला एक दिन कुछ लाकर दो तो, फिर देखो कि लोग क्या कहते हैं। शहर में ये चीज़ें बड़ी मुश्किल से मिलती हैं। इन लोगों का जी भी तो कभी-कभी ऐसी चीज़ों पर चला करता है।"

   (ङ) लेखक के समझाने पर गरीब अपने घर से मटर की फलियाँ, गन्ने के गट्ठर तथा गन्ने का रस लेकर कार्यालय में आया। फिर उसके बाद वह दसवें-पाँचवें दिन दूध, दही आदि लाकर बड़े बाबू को भेंट किया करता।

   (च) 'गरीब' से 'गरीबदास' बन जाने पर उसके स्वभाव में भी कुछ तबदीली पैदा हुई। दीनता की जगह आत्म-गौरव का उदय हुआ। तत्परता की जगह आलस्य ने ले ली। वह अब कभी-कभी देर से कार्यालय आता। कभी-कभी बीमारी का बहाना करके घर बैठा रहता। उसके सभी अपराध अब क्षम्य थे।

   (छ) गरीब ने ठेलेवालों से दलाली ली जिसे देखकर लेखक को खेद हुआ। लेखक को लगा कि उन्होंने ही गरीब को धूर्तता का पहला पाठ पढ़ाया था।

2. (क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही (च) सही

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (i) (घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इससे पता चलता है कि लेखक सहृदय थे तथा अन्याय के खिलाफ़ आवाज़ उठाना जानते थे।
2. बड़े बाबू ऊपरी दिखावा कर रहे थे। कोई यह न समझे कि वे सारा माल खुद हड़पना चाहते हैं, उन्होंने कृत्रिम क्रोध दिखाया। वे यह भी दिखाना चाहते थे कि उन्हें इन सब चीज़ों की ज़रूरत नहीं है।
3. इससे गरीब के बारे में पता चलता है कि वह रिश्वत देना तथा चापलूसी करने का हुनर सीख गया था। वह बड़े बाबू को सौगात देकर अपना काम करवाना सीख गया था। उसने तरक्की पाने का गलत रास्ता चुना था।

VI. भाषा कौशल

1. (क) स्वभाव, निश्चित (ख) गुण, गन्ने के रस से बनी खाने की वस्तु (ग) गरीब, वार/दिवस

   (घ) स्याही रखने का पात्र, बुलावा/निमंत्रण
2. (क) धूर्तता (ख) सामर्थ्य (ग) क्रोध (घ) प्रतिष्ठा (ङ) भोलापन (च) बीमारी (छ) अपराध (ज) दीनता
3. (क) मेज़ (ख) गरीबदास (ग) रोशनाई (घ) डाँटा (ङ) मैंने (च) दिए
4. (क) अत्यधिक क्रोधित होना (ख) ईर्ष्या होना (ग) दुर्गति होना (घ) कंजूस होना (ङ) सहमति देना

(च) अपना काम साधने का उपाय या मार्ग जान लेना

5. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) प्रहार, प्रचलित, प्रतिष्ठा

(ख) धूर्तता, तत्परता, दीनता

2–7. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 3. सभ्य बनने की सनक

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. गांधी जी के मित्र ने गांधी जी के बारे में यह मान लिया था कि मांसाहार न करने से वे कमज़ोर और भोंदू हो जाएँगे।
2. गांधी जी जानना चाहते थे कि सूप में मांस तो नहीं है इसलिए उन्होंने बैरे को बुलाया था।
3. गांधी जी ने संध्याकालीन सूट दस पौंड में बनवाया था।
4. डेविड चार्ल्स बेल की पुस्तक का नाम 'स्टैंडर्ड एलोक्युशनिस्ट' था।
5. गांधी जी ने माह-खर्च के लिए पंद्रह पौंड की रकम निर्धारित कर रखी थी।

III. लिखित कौशल

1. (क) आहार संबंधी पुस्तकों को पढ़कर गांधी जी पर यह प्रभाव पड़ा कि उनके जीवन में भोजन के प्रयोगों ने महत्त्वपूर्ण स्थान ले लिया।

   (ख) होटल में गांधी जी के सूप न पीने की बात पर उनके मित्र नाराज़ हो गए थे।

   (ग) गांधी जी के मित्र को लगता था कि यदि वे (गांधी जी) मांसाहार नहीं करेंगे तो अंग्रेज़ समाज में हिल-मिल नहीं सकेंगे। गांधी जी को अपने मित्र का यह भय दूर कर देना ज़रूरी लगा। इसलिए उन्होंने निर्णय लिया कि वे जंगली नहीं रहेंगे तथा सभ्यों के तौर-तरीके सीखेंगे।

   (घ) सभ्य बनने के लिए गांधी जी ने 'आर्मी एंड नेवी स्टोर' में कपड़े सिलवाए। 'चिमनी' हैट ली और इतने से संतोष न होने पर दस पौंड खर्च करके संध्याकालीन सूट बनवाया। अपने भाई से जेबों में लटकाई जाने वाली असली सोने की चेन मँगवाई तथा टाई बाँधने की कला भी सीखी।

   (ङ) संगीत और नृत्य सीखने के लिए गांधी जी एक कक्षा में भर्ती हुए। वहाँ एक सत्र के तीन पौंड शुल्क के दिए। तीन सप्ताह में कोई छह सत्र लिए होंगे। ठीक ताल पर पाँव न पड़ते थे। पियानो बजाते तो थे, पर वह क्या कह रहा है, यह समझ में न आता था। तीन पौंड वायलिन खरीदने में खोए और कुछ उसकी तालीम के लिए भी। भाषण-कला सीखने के लिए तीसरे उस्ताद का घर ढूँढ़ा। उन्हें भी एक गिन्नी की भेंट तो चढ़ानी ही पड़ी। डेविड चार्ल्स बेल द्वारा लिखित भाषण-कला की प्रसिद्ध पुस्तक 'स्टैंडर्ड एलोक्युशनिस्ट' खरीदी और उसे पढ़ना शुरू किया।

   (च) डेविड चार्ल्स बेल की पुस्तक पढ़ने पर गांधी जी को ज्ञान हुआ कि उन्हें इंग्लैंड में ज़िंदगी कहाँ बितानी है? लच्छेदार भाषण सीखकर क्या होगा? नाच-नाचकर मैं सभ्य कैसे बनूँगा? वायलिन तो अपने देश में भी सीखा जा सकता है। मैं तो विद्यार्थी हूँ, मुझे तो विद्या-धन जोड़ना चाहिए। मुझे अपने पेशे के लिए ज़रूरी तैयारी करनी चाहिए। मैं अपने सदाचार से सभ्य समझा जा सकूँ तो ठीक है, नहीं तो मुझे यह लोभ छोड़ना चाहिए।

   (छ) गांधी जी बस की सवारी और डाक खर्च रोज़ लिखते थे और सोने से पहले सदा अपना हिसाब-किताब मिला लेते थे। उनकी यह आदत अंत तक कायम रही।

2. (क) शाकाहार (ख) बजाना (ग) मांसाहार (घ) सभ्यता (ङ) सावधान

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. गांधी जी भारतीय संस्कृति और मूल्यों से गहराई से जुड़े थे जिस कारण पश्चिमी सभ्यता की चकाचौंध भी उन्हें आकर्षित न कर सकी। इससे गांधी जी के चरित्र का देश-प्रेम एवं भारतीय सभ्यता-संस्कृति का आदर करने का भाव उजागर होता है।
2. विद्यार्थी का पहला कर्तव्य होता है विद्या का अर्जन करना। विद्या-धन सारी उम्र काम आता है और यह कभी समाप्त नहीं होता। अत: एक विद्यार्थी के जीवन में विद्या-धन प्राप्त करने से बढ़कर और कुछ भी महत्त्वपूर्ण नहीं है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) अप्रसन्नता (ख) अनाकर्षक (ग) असभ्य (घ) दुराचार (ङ) नकली (च) असंतोष (छ) ताकतवर (ज) मासांहारी

1. (क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध (ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रिया पदबंध (ङ) क्रिया पदबंध
   (च) क्रियाविशेषण पदबंध (छ) विशेषण पदबंध
3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) जवाहरलाल नेहरू (ख) डॉ॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन (ग) डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद (घ) मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
   (ङ) महात्मा गांधी (च) इंदिरा गांधी (छ) लक्ष्मी सहगल (ज) सरोजिनी नायडू

2–5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 4. अपराजिता

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. लेखिका ने कार का दरवाज़ा खुलते ही एक युवती को बैसाखियों के सहारे कार से उतरते देखा।
2. लखनऊ का मेधावी युवक ट्रेन से नीचे गिरा और पहिये के नीचे उसका हाथ पड़ गया। प्राण तो बच गए, पर दायाँ हाथ चला गया।
3. चंद्रा पोलियो का शिकार हो गई थी।
4. चंद्रा ने अपनी स्कूली शिक्षा बंगलौर (बैंगलूरू) के प्रसिद्ध माउंट कारमेल स्कूल से पूरी की थी।
5. चंद्रा के एलबम में अंतिम पृष्ठ पर उनकी माता शारदा सुब्रह्मण्यम का चित्र लगा था।
6. चंद्रा को सन् 1976 में 'डॉक्टरेट' की उपाधि मिली।

III. लिखित कौशल

1. (क) लेखिका के अनुसार, कभी-कभी अचानक ही विधाता हमें ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व से मिला देता है, जिसे देख स्वयं अपने जीवन की रिक्तता बहुत छोटी लगने लगती है।

   (ख) लेखिका ने पहली बार चंद्रा को अपनी कोठी में कार से उतरते देखा था।

   (ग) जब लेखिका ने चंद्रा की कहानी सुनी तो दंग रह गईं। लेखिका को वह लड़की किसी देवांगना से कम नहीं लगी क्योंकि चंद्रा नियति के प्रत्येक कठोर आघात को धैर्य एवं साहस से झेल रही है।

   (घ) जब चंद्रा को पता चला कि लेखिका लखनऊ जाने वाली हैं तब उसने लेखिका से आग्रह किया, "मैडम, आप लखनऊ जाते ही क्या मुझे ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट से पूछकर यह बताएँगी कि वहाँ आने पर माइक्रोबायोलॉजी से संबंधित कुछ सामग्री मिल सकेगी?"

   (ङ) चंद्रा ने तस्वीरें दिखाते हुए कहा था, "मैडम, मैं चाहती हूँ कि कोई मुझे सामान्य-सा सहारा भी न दे। आप तो देखती ही हैं, मेरी माँ को मेरी कार चलानी पड़ती है। मैंने इसी से एक ऐसी कार का मॉडल बनाया है जिससे मैं अपने पैरों के निर्जीव अस्तित्व को भी सजीव बना दूँगी। और यह देखिए, मैंने अपनी प्रयोगशाला में अपने काम-काज का संचालन कितना सुगम बना लिया है। मैं अपना सारा काम अब स्वयं निपटा लेती हूँ।"

   (च) लेखिका ने चंद्रा की माँ को अद्भुत साहसी जननी कहा था क्योंकि पच्चीस वर्षों तक इस सहिष्णु महिला ने भी पुत्री के साथ-साथ कठिन साधना की। उन्होंने अपनी बेटी चंद्रा की बहुत देख-रेख की थी।

2. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत (च) सही

3. (क) इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि यदि मनुष्य में साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत करने की आदत एवं लगन हो तो उसके समक्ष बड़ी से बड़ी परेशानी भी सूक्ष्म हो जाती है। जिस तरह चंद्रा ने जन्म से पोलियोग्रस्त होने के बावजूद स्वयं को किसी से कम न समझते हुए, वह मुकाम हासिल किया जहाँ उसके पहुँचने की कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। यह उसके आत्मविश्वास तथा अदम्य साहस का ही परिणाम है।

   (ख) कहावत है कि भगवान के घर में देर है अँधेर नहीं। ईश्वर कभी भी बिलकुल निराश नहीं करता। कहीं न कहीं कोई रोशनी की किरण अँधेरे जीवन में डाल ही देता है। एक रास्ता बंद करता है तो दूसरा खोल भी देता है। अतः हमें अपना कर्म करते रहना चाहिए। फल को ईश्वर पर छोड़ देना चाहिए।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से पता चलता है कि चंद्रा एक साहसी एवं मज़बूत इरादों वाली लड़की है। वह प्रत्येक मुसीबत को आसानी से हँसते हुए झेलती है। अपनी कमियों के लिए भगवान को दोष न देकर अपनी कमी को ही अपनी शक्ति बनाने का प्रयास करती है।
2. डॉ॰ चंद्रा की माँ ने अपना फ़र्ज़ बखूबी निभाया है। उन्होंने कभी भी अपनी बेटी को असहाय महसूस नहीं होने दिया। उन्होंने कदम-कदम पर अपनी बेटी चंद्रा को मज़बूती प्रदान की। खुद ढाल बनकर चंद्रा को दुनिया से लड़ने की हिम्मत दी। ऐसी जननी निःसंदेह धरती माता की तरह पूजनीय है। उनके चरित्र से हम भी ऐसा बनने की प्रेरणा ले सकते हैं।

VI. भाषा कौशल

1. (क) महत्त्व + आकांक्षा – दीर्घ संधि (ख) निर् + जीव – गुण संधि (ग) पक्ष + आघात – दीर्घ संधि
(घ) निर् + अंतर – यण संधि (ङ) सर्व + उच्च – गुण संधि (च) निः + प्राण – विसर्ग संधि
(छ) सर्व + अंग – दीर्घ संधि

2. (क) वि + लक्षण (ख) सु + गम (ग) अन + होनी (घ) प्र + भाव

3. (क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) स्त्रीलिंग (च) पुल्लिंग

4. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 5. गजनंदन लाल पहाड़ चढ़े

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. गजनंदन दिखने में गोल-मटोल हाथी के बच्चे जैसे लगते थे।
2. स्कूल के लड़कों की टोली गोमुख की सैर करने जा रही थी।
3. बच्चों को गोमुख तक स्वामी जी ले जाने वाले थे।
4. गजनंदन के कारण हँसते-हँसते भयानक रास्ते भी आसानी से पार हो गए। इसलिए स्वामी जी ने खुश होकर उसका राशन दोगुना कर दिया।
5. भोलाशंकर की।

III. लिखित कौशल

1. (क) गजनंदन ने अपने जाने के कई लाभ बताए, जो इस प्रकार हैं— पहला लाभ बताया कि मुझे सरदी कम लगती है। दूसरा, जब मेरे साथी थक जाएँगे तब मैं उन्हें हँसा-हँसाकर फिर से तरोताज़ा कर दूँगा। मुझे देखकर उनकी हिम्मत लौट आएगी। तीसरा, कहीं रस्सा बाँधने की ज़रूरत हुई और वहाँ चट्टान न हुई तो मेरे शरीर से यह काम बेखटके लिया जा सकता है।

   (ख) गोमुख की यात्रा के दौरान बच्चों ने भोजपत्र के पेड़, जड़ी-बूटियाँ, जंगली भेड़ों का गिरोह, तुतराल नाम के जानवर की पूँछ तथा रीछ के पंजों के निशान देखे।

   (ग) पर्वतों के बारे में कवि इकबाल ने कहा— 'पर्वत वह सबसे ऊँचा, हमसाया आसमा का; वह संतरी हमारा, वह पासबाँ हमारा और कवि रबींद्रनाथ ने कहा— 'अंबर चुंबित भाल हिमालय, शुभ्र तुषार किरीटिनी'।

   (घ) गोमुख जाते समय रास्ते में एक झील थी। वह पूरी की पूरी बर्फ़ से ढकी थी। लड़कों ने पत्थरों पर न चलकर झील की बर्फ़ पर चलने का सोचा। भोलाशंकर के पैरों के नीचे की बर्फ़ फट गई और वह नीचे झील में चला गया।

   (ङ) गजनंदन ने माचवे को रस्सी भोलाशंकर की ओर फेंकने को कहा और खुद रस्सी का दूसरा छोर अपनी कमर में लपेटकर गड्ढे में कूद गया। रस्सी के सहारे भोलाशंकर किनारे पर आ गया। स्वामी जी ने उसे तुरंत उठा लिया। तब तक गजनंदन भी बाहर आ गया। उसने अपना चमड़े का कोट उतारकर भोलाशंकर को दे दिया। इस प्रकार गजनंदन ने भोलाशंकर की जान बचाई।

   (च) गजनंदन ने डाक बँगले की ओर मुँह किया और ज़ोर से बोला, ''मास्टर जी, मैं गजनंदन हाथी का बच्चा, गोमुख से बोल रहा हूँ। हम आज नहीं आ रहे। कल सवेरे आएँगे। सब ठीक है।'' दूसरी ओर से हलकी-सी आवाज़ गूँजी, ''ठीक है, सुन लिया।'' यही गजनंदन का देसी टेलीफ़ोन था।

2. (ख) (ङ) (च) (छ) (घ) (क) (ग)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. प्रस्तुत पाठ से हमें यही सीख मिलती है कि हमें हँसना चाहिए। हँसना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। इसके अलावा हमें मुश्किल घड़ी में दूसरों की सहायता करनी चाहिए।
2. यह सत्य है कि मोटे लोग पतले लोगों की अपेक्षा अधिक खुशमिज़ाज होते हैं। अध्ययन के बाद यह पता चला है कि मोटे लोगों में एक किस्म का जीन होता है जो उन्हें खुश रहने में मदद करता है। शोधकर्ताओं ने इस जीन को 'एफटीओ' नाम दिया है। यह जीन मोटे व्यक्ति में डिप्रेशन का स्तर कम कर देता है जिससे मोटा व्यक्ति पतले व्यक्ति की अपेक्षा अधिक खुश रहता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) बे + खटके (ख) दो + गुना (ग) खुश + दिल (घ) प्र + माणित (ङ) प्र + सन्न
2. (क) स्वामिनी (ख) सेविका (ग) हथिनी (घ) भगवती (ङ) कवयित्री (च) औरत (छ) लड़की (ज) मास्टरनी
3. (क) अपादान कारक (ख) करण कारक (ग) अपादान कारक (घ) अपादान कारक (ङ) करण कारक
4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

5. (क) स्कूल में जब कोई नया छात्र तुम्हें देखकर मुस्कराता है तो तुम भी उसे देखकर मुस्करा देते होगे और फिर दोनों में दोस्ती हो जाती होगी। इस प्रकार हँसी अनजान लोगों से पहचान कराती है।

(ख) हँसी से मन के अंदर चल रहा तनाव कम होता है और इससे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता मज़बूत होती है।

(ग) हमारे शरीर से सेरोटोनिन नाम का केमिकल निकलता है।

(घ) फील गुड हार्मोन से हमें अच्छा महसूस होता है और सारी थकान दूर हो जाती है। कई बार इससे हम अपने शरीर के किसी अंग में हो रहे दर्द को भी भूल जाते हैं।

(ङ) हँसी का महत्त्व।

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 6. हींगवाला

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. सावित्री के बच्चे हींगवाले से इसलिए चिढ़ते थे क्योंकि उन्हें लगता था कि उनकी माँ हींगवाले को पैसे देती हैं तथा उसी का खयाल रखती हैं।
2. सावित्री ने हींग की कीमत सवा छह आने अदा की थी।
3. जब हींगवाला बहुत दिनों तक नहीं आया तो सावित्री ने सोचा कहीं हींगवाला खान तो नहीं मार डाला गया।
4. दशहरे के अवसर पर काली देवी का जुलूस निकला था।
5. खान जब बच्चों को साथ लेकर लौटा तो उसने सावित्री से कहा, "वक्त अच्छा नहीं, अम्माँ! बच्चों को ऐसी भीड़-भाड़ में बाहर न भेजा करो।"

III. लिखित कौशल

1. (क) खान हींग बेचा करता था।
   (ख) खान अपने देश काबुल को जा रहा था। उसके लौटने का कोई निश्चित समय तय नहीं था, इसलिए वह सावित्री से हींग लेने की ज़िद कर रहा था।
   (ग) सावित्री के सबसे छोटे बेटे ने अपने बड़े भाई से कहा, "भैया, माँगो तो भला माँ से पैसे, फिर हमलोग मलाई की बरफ़ खाएँगे।"
   (घ) सावित्री के बच्चे सोच रहे थे कि उनकी माँ सिर्फ़ खान को ही पैसे देती हैं। वे खान से चिढ़ रहे थे। यह सब देखकर सावित्री को बच्चों की बातों पर हँसी आ रही थी।
   (ङ) सावित्री के पति हींग वाले खान को अंदर जाने से मना कर रहे थे।
   (च) शहर में दंगा होने के कुछ दिनों बाद खान सावित्री से मिला तो खान ने ऐसा कहा था। उसके हिसाब से समझदार लोग झगड़ा नहीं करते यह तो मूर्खों का काम है।
   (छ) शहर में कुछ दिन पहले दंगा हो चुका था। शाम को जुलूस में दंगा होने की आशंका थी। इसलिए सावित्री अपने बच्चों को जाने से रोक रही थी।
   (ज) दंगे की खबर सुनकर सावित्री के हाथ-पैर जैसे ठंडे पड़ गए। उसे रह-रहकर अपने पर क्रोध आ रहा था। वह पागल-सी हो गई। रात होते-होते वह फूट-फूटकर रोने लगी।
   (झ) सुरक्षित लौटने पर बच्चों ने माँ से बतलाया कि अम्माँ, खान बहुत अच्छा है। दंगा होते ही श्यामू तो हमें छोड़कर भाग गया था तब खान ने ही हमें बचाया, नहीं तो आज हम भीड़ में मारे जाते।
2. (क) काबुल (ख) तीन (ग) चबूतरे (घ) काली (ङ) खान

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस कथन से पता चलता है कि खान सावित्री को अपनी माँ के जैसा ही मानता था। उसे देश, धर्म और जाति से कोई मतलब न था।
2. इन पंक्तियों द्वारा पता चलता है कि सावित्री के मन में खान के लिए अपने बच्चों जैसा प्यार था। सावित्री के मन की उधेड़बुन दिखाती है कि वह दूसरों के लिए चिंतित रहती थी। दूर देश का होने के बाद भी सावित्री और खान के बीच इनसानियत का गहरा रिश्ता बन गया था जिसमें धर्म, समाज और जाति के बंधन कोई मायने नहीं रखते।

VI. भाषा कौशल

1. (क) मिश्र वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य (ग) संयुक्त वाक्य (घ) सरल वाक्य (ङ) संयुक्त वाक्य (च) मिश्र वाक्य
2. (क) दे (ख) सलाम करके (ग) खो (घ) बढ़ने (ङ) ढल (च) लौट

3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1–5. विद्यार्थी स्वयं करें।

6. अदरक, अजवायन, जीरा, राई, दालचीनी, लहसुन, लौंग, हींग, इलायची

7. 1. यह मेले का दृश्य है।

2. लोग अपने बच्चों के साथ मेला देखने आए हैं।
3. मेले में अनेक प्रकार के झूले लगे हैं जिनमें बच्चे झूला झूल रहे हैं।
4. दुकानों में रौनक लगी है।
5. एक गुब्बारे वाला रंग-बिरंगे गुब्बारे बेच रहा है।
6. हलवाई जलेबी बना रहा है।
7. कुछ लोग कठपुतली का नाच देख रहे हैं।
8. एक महिला अपनी बेटी को आइसक्रीम दिलवा रही है।
9. खिलौनेवाले से एक लड़की गुड़िया खरीद रही है।

पाठ 7. रावण-वध

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. यह नाटक रावण-वध विषय पर आधारित है।
2. सभी लड़के रावण का पुतला बनाने में जुटे थे।
3. नीना विकास की बहन थी।
4. नीना और स्मिता मुक्ता दीदी के घर गईं।
5. मुक्ता एम.ए. की पढ़ाई कर रही थी।
6. मुक्ता ने लड़कियों को ऐसा रावण का पुतला बनाने का सुझाव दिया, जो बुराई का प्रतीक हो।

III. लिखित कौशल

1. (क) नीना रावण का पुतला बनाने में लड़कों की मदद करना चाहती थी। वह रावण की ड्रेस बनाना चाहती थी। परंतु लड़के उसका मज़ाक उड़ाने लगे। इसी बात पर नीना और लड़कों में झगड़ा हो गया।

   (ख) लड़के नीना को रावण के पुतले की ड्रेस डिज़ाइनर और स्मिता को रावण की कोरियोग्राफ़र कहकर उनका मज़ाक उड़ा रहे थे।

   (ग) नीना ने लड़कों के सामने फ़ैसला किया कि हम अपना रावण का पुतला खुद बनाएँगी।

   (घ) नीना और स्मिता रावण का ऐसा पुतला बनाना चाह रही थीं जिसमें कुछ नयापन हो। इसके लिए वे मुक्ता दीदी से मदद माँगने उनके घर गई थीं।

   (ङ) इस प्रश्न का उत्तर स्मिता ने दिया कि एक तो, देवताओं की राक्षसों पर विजय हुई, दूसरा, इसी दिन राम ने रावण का वध किया। वैसे तो रावण प्रकांड विद्वान था और उसके दस सिर उसकी बुद्धि के प्रतीक थे लेकिन उसका आचरण राक्षसों जैसा था।

   (च) लड़कियों ने रावण के दस सिरों का परिचय समाज द्वारा उनके प्रति होने वाले भेदभाव एवं अत्याचार को दर्शाते हुए दिया। जो इस प्रकार है– भ्रूण हत्या, लिंग भेद, कुपोषण, हत्यारा समाज, अशिक्षा, छोटी उम्र में विवाह, अनमेल विवाह, दहेज का राक्षस, घरेलू हिंसा और दहशत।

2. (क) विकास ने नीना से कहा।

   (ख) उदय ने नीना से कहा।

   (ग) मुक्ता ने नीना और स्मिता से कहा।

   (घ) त्यागी जी ने सभी से कहा।

3. (क) इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि दुनिया के पुरुष समाज की सोच नारी के प्रति राक्षस की सोच एवं उनके बुरे कुकृत्यों से मिलती है। समाज में पुरुष वर्ग नारी के प्रति नकारात्मक सोच रखते हैं। उन पर अत्याचार एवं उनका शोषण करते हैं।

   (ख) इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि लड़की को अपने ही घर, समाज और देश में तिरस्कार और कष्ट सहना पड़ता है। लेकिन अब समय आ गया है कि सभी बहनें मिलकर इस अन्याय और अत्याचार के खिलाफ आवाज़ उठाए और इसे जड़ से खत्म कर दे। उन्हें अपने हक के लिए लड़ना ही होगा।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. लड़का-लड़की के बीच होने वाले भेदभाव पूर्ण व्यवहार में शिक्षा द्वारा बदलाव लाया जा सकता है। समाज को शिक्षित किया जाना चाहिए। इसके अलावा समाज में लड़कियों के अधिकारों हेतु जागरूकता फैलाकर भी भेदभाव को खत्म किया जा सकता है।
2. इस वाक्य से मुक्ता के व्यक्तित्व के उदारता, सहयोग और परोपकार जैसे गुणों का परिचय मिलता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) ई – साहसी, चालाकी (ख) इक – धार्मिक, सामाजिक

(ग) इत – लिखित, अपमानित

(घ) एलू – गुसेलू

(ङ) ता – सुंदरता, दयालुता

(च) ईला – चमकीला, रंगीला

2. (क) साधारण वाक्य (ख) प्रश्नवाचक वाक्य (ग) निषेधवाचक वाक्य (घ) प्रश्नवाचक वाक्य (ङ) निषेधवाचक वाक्य

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

4. (क) नकुल माता कुंती के लिए पानी लेने गया था क्योंकि उसकी माता को प्यास लगी थी।

(ख) भीम ने आवाज़ सुनकर सोचा कि कहीं दैत्य या राक्षस छिपा होगा।

(ग) अर्जुन ने उत्तर दिया, "जो हो, सामने आकर निपट ले। मैं तो पानी पिऊँगा, किसी के सवाल की चिंता नहीं करता।"

(घ) विशेषण शब्द – पाँच, घना।

(ङ) यक्ष के सवाल और पांडव।

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 8. थोड़ी धरती पाऊँ

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. यह कविता पर्यावरण से संबंधित है।
2. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना।
3. कवि बहुत दिनों से थोड़ी ज़मीन खरीदने की सोच रहे थे।
4. कवि से चिड़ियाँ डरती हैं।
5. आज सभ्यता वहशी हो गई है।
6. कवि काले अक्षर की कोयल भेज रहे हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) कवि धरती पाकर उसमें बाग-बगीचे लगाना चाहते हैं।
   (ख) कवि को धरती इसलिए नहीं मिल पाई क्योंकि चारों ओर बड़ी-बड़ी इमारतें बन गई हैं। कहीं भी खाली जगह नहीं है।
   (ग) कवि सबसे पेड़ों को न काटने की विनती कर रहे हैं।
   (घ) हम पेड़ों के संग बढ़ना, खुश रहना, इतराना तथा हिलना सीख सकते हैं।
2. (क) दुनिया को हरा-भरा रखते हैं
   नहीं समझते जो, दुष्कर्मों
   का वे फल चखते है।
   (ख) बनी वहशी
   पेड़ों को काट रही है
   ज़हर फेफड़ों में भरकर
   हम सबको बाँट रही है।
3. (क) इन पंक्तियों का आशय यही है कि पेड़ों की एक-एक पत्ती हमारे लिए कीमती है क्योंकि ये हमारे सपनों को आधार देते हैं। इनकी एक शाखा कटने पर ये छोटे बच्चों के समान रोते हैं अर्थात् इन्हें भी दर्द महसूस होता है। इसलिए हमें पेड़ों का महत्त्व समझना चाहिए और इन्हें नहीं काटना चाहिए।
   (ख) इन पंक्तियों का आशय है कि अब चारों ओर काली कोयल के समान धुआँ ही धुआँ है। उसी दूषित वातावरण में अब जीने की आदत डालनी होगी।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii)   (ख) (i)   (ग) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. प्रस्तुत कविता हमें यही सीख दे रही है कि हमें पेड़ों को नहीं काटना चाहिए तथा अधिक-अधिक पेड़ लगाने चाहिए।
2. आज मानव पर्यावरण के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुका है। वह आए दिन प्रकृति का दोहन कर रहा है। जनसंख्या वृद्धि द्वारा, बड़ी-बड़ी इमारतें बनाकर, उद्योगों द्वारा जहरीली गैसें छोड़कर तथा पेड़ों को काटकर मनुष्य पर्यावरण को हानि पहुँचा रहा है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) वर्ण, मोक्ष   (ख) नतीजा, पेड़ का फल   (ग) राय, वोट   (घ) आवाज़, अक्षर (अ, इ, उ)
2. (क) स्त्रीलिंग   (ख) पुल्लिंग   (ग) पुल्लिंग   (घ) स्त्रीलिंग   (ङ) स्त्रीलिंग   (च) पुल्लिंग
3. (क) खुश – खुशकिस्मत, खुशमिज़ाज
   (ख) चौ – चौराहा, चौमासा

(ग) दुस् – दुस्साहस, दुष्परिणाम

4. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 9. नए टापू की खोज

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. अंडमान-निकोबार द्वीप समूह भारत के दक्षिणी भाग में स्थित है।
2. कारनिकोबारियों ने पहली नाव नारियल के पेड़ से बनाई थी।
3. नाव देखकर चावरा द्वीप के बुज़ुर्ग उसी निष्कर्ष पर पहुँचे जिसकी कल्पना कारनिकोबारियों ने की थी।
4. चावरावासी उन अनाम लोगों के बारे में जानना चाहते थे, जिन्होंने नाव का निर्माण कर सामग्री भेजी थी।
5. चावरा द्वीप की यात्रा पर कारनिकोबार द्वीप से आठ-दस लोग गए थे।

III. लिखित कौशल

1. (क) कारनिकोबारियों के मन में यह विचार आया कि अन्य द्वीपों की खोज करनी चाहिए।

   (ख) कारनिकोबारियों ने प्रयोग के तौर पर नारियल का एक पेड़ उखाड़ा। उसे छीलना आरंभ किया। उसे तरह-तरह से काटा। उसका आकार छोटा किया और उसकी गोलाई कम की। फिर उसे पानी में तैराकर देखना शुरू किया। इससे उन्हें संतुलन की कला समझ में आई। प्रयोग करते-करते आखिर कारनिकोबारियों ने एक छोटी-सी नाव बना ली।

   (ग) कारनिकोबारियों को विश्वास था कि केनो तैरते हुए किसी किनारे पर अवश्य लगेगी। इस विश्वास के पीछे भी एक कारण था। उन्होंने कई ऐसी चीज़ों को अपने समुद्री तट पर पहुँचते देखा था जो उनके लिए अनजान थीं। उन्हें उम्मीद थी कि केनो किसी-न-किसी द्वीप के तट पर ज़रूर पहुँचेगी। यदि उस द्वीप पर मानव जाति हुई तो केनो में रखी चीज़ों को देखकर उन्हें यह अंदाज़ा हो जाएगा कि यह नाव कहीं से भेजी गई है।

   (घ) चावरा द्वीप के बुज़ुर्गों ने नाव पर से फलों को उतारा और परीक्षण के रूप में चखकर देखा। जब वे पूरी तरह आश्वस्त हो गए कि वे फल हानिकारक नहीं हैं, तब उन फलों को सबमें वितरित करवा दिया।

   (ङ) चावरावासियों ने मिट्टी के छोटे-छोटे बर्तन तथा नारियल और केले से बना व्यंजन 'किलोई' केनो में भरकर वापस भेजे।

   (च) नाव में रखे बर्तनों को देखकर कारनिकोबारियों को विश्वास हो गया कि आस-पास कोई द्वीप है जहाँ उनके जैसे ही मनुष्य रहते हैं।

   (छ) कारनिकोबारियों ने नाव में खाने का सामान, पीने के लिए पानी और कुछ फल आदि रखे। फिर नाव पर सवार होकर आठ-दस लोग अनजान द्वीप की यात्रा पर निकल पड़े।

   (ज) कारनिकोबारी चावरावासियों को देखकर क्षण भर को हैरान हुए पर उसके बाद तो जैसे उनकी भी खुशी का कोई ठिकाना न रहा। उन्होंने पाया कि चावरा द्वीप के लोगों का रंग-रूप और आचार-व्यवहार ठीक उन्हीं की तरह है। भाषा में थोड़ा परिवर्तन ज़रूर लगा, फिर भी वे बहुत आनंदित हुए।

2. (च) (ग) (घ) (क) (ख) (ङ)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से पता चलता है कि मनुष्य का स्वभाव नई-नई चीज़ों का पता लगाने और उनके बारे में जानने का रहा है। मानव की इस जिज्ञासु प्रवृत्ति के कारण ही खोजों का सिलसिला शुरू हुआ।
2. चावरावासियों ने कारनिकोबारियों के लिए उपहार भेजकर प्रेम का जवाब प्रेम से दिया। उन्होंने ऐसा करके दिखाया है कि वे भी उनके बारे में जानने और उनसे मिलने के इच्छुक हैं।
3. ऐसा करके बुज़ुर्गों ने परिचय दिया है कि वे अपने लोगों के प्रति प्रेम और ज़िम्मेदारी का भाव रखते हैं। अगर चावरावासियों पर कोई भी मुसीबत आती है तो पहले वहाँ के बुज़ुर्ग इसका सामना करेंगे। उन्होंने दिखाया है कि वे अपने लोगों को सुरक्षा प्रदान करना चाहते हैं।

VI. भाषा कौशल

1. के, में, में, पर, के, में, की, का, के, पर, में

2. (क) प्रो॰ उपाध्याय अपनी पारिवारिक तथा कार्यालयी ज़िम्मेदारियों में संतुलन बनाए रखते हैं।
   (ख) कई परीक्षण करने के बाद ही कोई शोध कार्य पूर्ण होता है।
   (ग) ईश्वर के संबंध में प्रत्येक व्यक्ति की धारणा दूसरे से अलग होती है।
   (घ) बच्चों का कौतूहल देखते ही बनता था, जब उन्हें पता चला कि आज विद्यालय में सुनीता विलियम्स आने वाली हैं।
3. (क) स् + अ + म् + अ + स् + य् + आ
   (ख) स् + व् + अ + भ् + आ + व् + अ
   (ग) ह् + ऐ + र् + आ + न् + अ
   (घ) व् + इ + स् + म् + इ + त् + अ
   (ङ) प् + र् + अ + य् + आ + स् + अ
   (च) प् + अ + र् + इ + व् + अ + र् + त् + अ + न् + अ
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)
5. (क) लेखक ने मानव को सामाजिक प्राणी कहा है।
   (ख) एक समय ऐसा रहा जबकि समाज को अधिक महत्त्व दिया गया और राज्य, समाज या बिरादरी के आगे मानव का कोई अस्तित्व नहीं था।
   (ग) राज्य, समाज, पंचायत या बिरादरी का मुख्य उद्देश्य मानव की नैतिक उन्नति के लिए सब प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करना है।
   (घ) नवीन।
   (ङ) मानव और समाज।

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1-4. विद्यार्थी स्वयं करें।
5. (क) इंडोनेशिया (ख) सोमालिया (ग) मॉरीशस (घ) भारत (ङ) थाइलैंड

पाठ 10. प्रकृति का सान्निध्य

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. मनुष्य जब प्रकृति के पास जाता है तब मनुष्य और प्रकृति का सान्निध्य स्थापित हो जाता है।
2. लेखक के द्वारा जान जोखिम में डालकर जंगली जानवरों को देखने में ज़िंदगी का कीमती समय बर्बाद करने के कारण लोग उनकी आलोचना करते हैं।
3. मानवता प्रकृति की संतान है क्योंकि हम वास्तव में प्रकृति के ही बालक है।
4. शहरी लोग बालिश्त भर जमीन में बगीचा बनाकर या दो-चार पौधे लगाकर प्रकृति से मेल साधते हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) शहरी जीवन और कृत्रिम दुनिया खड़ी करके मनुष्य प्रकृति से दूर होता जा रहा है।

   (ख) हिमालय पर रहने वाले मनुष्यों और जानवरों का जीवन-क्रम काफी विषम परिस्थितियों से होकर गुजरता है इसलिए लेखक उन्हें देखकर दुखी होते हैं।

   (ग) लेखक स्वयं को पेड़-पत्तों और पशु-पक्षियों में से ही एक प्राणी मानते हैं। जब कृत्रिम दुनिया उनके लिए असह्य हो जाती है तब वे जंगल के प्राकृतिक वातावरण में ही रहना चाहते हैं।

   (घ) लेखक मसूरी में पहाड़ के शिखरों के बीच बादल बनकर व्योम-विहार करना चाहते हैं।

   (ङ) लेखक बादलों की शक्तियों के बारे में बताते हैं कि बादल देखते ही देखते अपना आकार, स्वरूप एवं अपना गठन बदलते रहते हैं। ये आगे-पीछे, ऊपर-नीचे, दसों दिशाओं में दौड़ते, फूलते और पिछलते हैं। क्षणभर में ये अपना रंग बदल लेते हैं।

   (च) जब पेड़-पत्ते हमसे बात करने लगे, जंगल के पशु-पक्षी हमारे साथ आत्मीयता महसूस करने लगे तथा हम प्रकृति के बीच बालक जैसे दिखाई दें तब हम कह सकते हैं कि हमने प्रकृति से संपर्क साध लिया है।

2. (क) लेखक चिन्दी वाले पत्थरों को हाथ में लेकर भूगोल शास्त्र की सहायता से उनके जन्म के बारे में पता लगाते थे। अर्थात् वे कब अस्तित्व में आए, इससे परिचित होते थे।

   (ख) इन पंक्तियों में लेखक के कहने का भाव यह है कि जिस प्रकार हम 'हैवानियत' शब्द तिरस्कार के रूप में प्रयोग करते हैं उसी प्रकार पशु-पक्षी 'आदमियत' शब्द का प्रयोग करते होंगे और उसी में मनुष्य के साथ रहकर उन्होंने जो बुरा अनुभव झेला उसे व्यक्त करते होंगे। अर्थात् मनुष्य के साथ उनका अनुभव अच्छा नहीं रहा है।

3. (क) प्राणी (ख) बालक (ग) विश्व (घ) शिखर (ङ) आदर्श (च) गुच्छूपानी, सहस्रधारा (छ) अकुलाना

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (iii) (ग) (iii) (ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. बादल परिवर्तन से परेशान नहीं होते वे अपना आकार, स्वरूप तथा अपना गठन बदलते रहते हैं। वे आगे-पीछे, ऊपर-नीचे, दसों दिशाओं में दौड़ते हैं। कभी पानी से भरकर फूलते हैं और कभी पिघल जाते हैं अर्थात् बरस जाते हैं। उनका रंग भी पल-पल बदलता रहता है। वे इन परिवर्तनों का आनंद लेते हुए अंत में मिट जाते हैं इसी को वे अपने जीवन की साधना मानते हैं।
2. प्रकृति मानव जीवन का आधार है क्योंकि मानव की सभी जरूरतों को प्रकृति ही पूरा करती है। मानव को रहने, खाने-पीने की चीज़ें प्रकृति से ही मिलती है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) कृत्रिम (ख) स्वीकार (ग) निरर्थक (घ) श्वेत (ङ) सम (च) अव्यस्थित
2. (क) द् + अ + र् + श् + अ + न् + अ

   (ख) व् + य् + अ + व् + अ + ह् + आ + र् + अ

   (ग) स् + न् + ए + ह् + ई

   (घ) क् + उ + श् + अ + ल् + अ

(ङ) आ + द् + अ + म् + इ + य् + अ + त् + अ

(च) व् + य् + ओ + म् + अ

3.

विशेषण	**विशेष्य**
(क) गंभीर	(i) अनुभव
(ख) सयानी	(ii) विश्व
(ग) कीमती	(iii) बगीचा
(घ) कृत्रिम	(iv) दुनिया
(ङ) विशाल	(v) पुरुष
(च) कड़वा	(vi) दिन

4. (क) इन (ख) वे (ग) ये (घ) आप, इस

5.

(ख) आनंद	आनंदित	आनंदमय	आनंदपूर्वक
(ग) जीवन	जीवनी	जीवनमय	जीवनकाल
(घ) अनुभव	अनुभवी	अनुभवशाली	अनुभवहीन
(ङ) दर्शन	दर्शनीय	दार्शनिक	दर्शनार्थी

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 11. कलिंग विजय

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. नंदिनी गायिका के प्रश्नों का उत्तर दे रही थी।
2. उपेंद्र के अंतिम शब्द थे–"चंडाशोक, एक दिन तुम अपने शत्रुओं के ही दास बनोगे।"
3. रेखा ने नंदिनी को आदेश दिया कि गायिका से कहो कि सम्राट उसका गाना सुनेंगे।
4. कटार देखकर गायिका ने कहा, "सम्राट, मेरी गर्दन आपके सामने है। आप वार कर सकते हैं। जहाँ आपने रक्त का सागर बहाया, वहाँ एक बूँद और बहाने से न चूकिए।"
5. रेखा के अनुसार, सैनिकों का कर्तव्य है–मरना और मारना।
6. गायिका ने सम्राट अशोक को अपना भाई बना लिया।

III. लिखित कौशल

1. (क) नंदिनी ने गायिका से सम्राट के बराबर वाले कक्ष में बैठकर गाने की बात कही थी।

   (ख) अशोक ने उपेंद्र की बहन के बारे में बतलाया कि कलिंग की राजकुमारी अभी तक जीवित है तथा वह बौद्ध भिक्षुणी हो गई है।

   (ग) गायिका ने कलिंग युद्ध का वर्णन करते हुए कहा था कि युद्ध क्षेत्र में अब भी सैकड़ों मनुष्य तड़प रहे हैं, अब भी अधमरे घायलों की कराहों से आकाश गूँज रहा है। सहस्रों हृदय धूल में सने पड़े हैं। कलिंग की राजधानी उजड़ी पड़ी है। कलिंग का हरा-भरा देश वीरान पड़ा है। सहस्रों आपके बंदी-गृह में सड़ रहे हैं। जो बचे हैं, उनकी आत्माएँ झुलस चुकी हैं, मर चुकी हैं।

   (घ) गायिका की बातें सुनकर सम्राट अशोक की आँखें खुल चुकी थीं। उनकी आत्मा धुल रही थी, उनका कलंक धुल रहा था। सम्राट अशोक ने शस्त्र त्यागकर बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया।

   (ङ) गायिका ने सम्राट अशोक को यह श्लोक दोहराने को कहा–

   बुद्धं शरणं गच्छामि!

   संघं शरणं गच्छामि!

   धम्मं शरणं गच्छामि!

2. (क) गायिका ने (ख) नंदिनी ने (ग) रेखा ने (घ) गायिका ने (ङ) अशोक ने (च) गायिका ने
3. (क) गायिका रेखा की बात का जवाब देते हुए कहती है कि जो लोग सिर्फ़ अपने लिए जीते हैं, वे स्वार्थी होते हैं। वे दूसरों की दया के पात्र ही हो सकते हैं। वे दूसरों का पालन-पोषण नहीं कर सकते, जो खुद भिखारी हैं। ऐसे लोगों को कोई प्यार नहीं करता।

   (ख) गायिका बनी कलिंग की राजकुमारी सम्राट अशोक से कह रही है कि आपने निर्दोष लोगों को मारा है, खून की नदियाँ बहाई हैं। आप जीते नहीं वरन् हारे हैं। आपने कलिंग की धरती को जीता है लोगों की आत्माओं को नहीं क्योंकि इस युद्ध को लोग अपने मन से नहीं चाहते थे।

   (ग) गायिका सम्राट से कह रही है कि मनुष्य एक दूसरे की सहायता करने के लिए पैदा हुआ है। वह दूसरों को मारने के लिए पैदा नहीं हुआ। वह उनकी सेवा करने के लिए ही इस धरती पर आया है।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. कलिंग की राजकुमारी ने सम्राट के सामने आकर बहादुरी तथा निडरता का परिचय दिया है। वह अपने देश से प्रेम करती थी। वह अपनी प्रजा के संहार से दुखी थी। वह सम्राट को अहिंसा के मार्ग पर ले जाने का प्रण लेकर आई थी और अपने इरादे में कामयाब हुई।

2. अहिंसा का मार्ग अपनाकर सम्राट अशोक ने साबित कर दिया कि हर बुरे इनसान के अंदर एक कोमल हृदय छिपा होता है। ज़रूरत है बस उस इनसान को जगाने की। कोई इनसान पाप के रास्ते पर कितना भी आगे निकल जाए परंतु यदि वह कोशिश करे तो उस दलदल से निकल सकता है और प्रायश्चित करके अच्छा इनसान बन सकता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) सामान्य भविष्यत् काल – सम्राट अशोक घोड़े पर संतुलन कायम रखेंगे।
संभाव्य भविष्यत् काल – सम्राट अशोक घोड़े पर संतुलन कायम रखें।
(ख) सामान्य भविष्यत् काल – सम्राट गायिका का गाना सुनेंगे।
संभाव्य भविष्यत् काल – शायद, सम्राट गायिका का गाना सुनें।
(ग) सामान्य भविष्यत् काल – गायिका सम्राट को युद्ध के बारे में बताएगी।
संभाव्य भविष्यत् काल – संभवत: गायिका सम्राट को युद्ध के बारे में बताए।
(घ) सामान्य भविष्यत् काल – रेखा अपनी बात कहने से चूकेगी।
संभाव्य भविष्यत् काल – शायद, रेखा अपनी बात कहने से चूके।
(ङ) सामान्य भविष्यत् काल – सम्राट की स्वार्थपूर्ण दुनिया उजड़ेगी।
संभाव्य भविष्यत् काल – संभवत: सम्राट की स्वार्थपूर्ण दुनिया उजड़ेगी।
(अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)

2. (क) आसन्न भूतकाल (ख) सामान्य भविष्यत् काल (ग) सामान्य भूतकाल (घ) अपूर्ण भूतकाल (ङ) संदिग्ध भूतकाल (च) संभाव्य भविष्यत् काल (छ) अपूर्ण वर्तमान काल (ज) हेतुहेतुमद भूतकाल

3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (i) (ङ) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1-5. विद्यार्थी स्वयं करें।

6. ओडिशा, कोझिकोड, प्रयागराज, चेन्नई, उज्जैन, वड़ोदरा, पटना, पुणे, कोलकाता

पाठ 12. दादा साहब फालके

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. पिता-पुत्र को नाटक देखने का शौक था।
2. पिता की चित्र और कला में गहरी रुचि थी।
3. पूरे परिवार ने 'ईसा मसीह' पर आधारित 'जीसस, द लाइफ़ ऑफ़ क्राइस्ट' चलचित्र देखा।
4. घुंडीराम गोविंद फालके।
5. 'दादा साहब फालके'।

III. लिखित कौशल

1. (क) चित्रपट पर तरह-तरह के जानवर आ रहे थे, जा रहे थे, रुक नहीं रहे थे। यह देखकर पिता-पुत्र दोनों अचंभित थे। उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि चित्र चल भी सकते हैं।

   (ख) पिता सोच रहे थे कि कोई ऐसी तकनीक आ गई है जो सिर्फ चित्र नहीं उकेरती बल्कि दृश्य पकड़ती है और उसे चित्रपट पर दिखा देती है। वास्तव में यह चित्रपट नहीं दृश्यपट है। उन्होंने सोचा कि अगर भारत में जीसस की जगह राम या कृष्ण पर फ़िल्म बनाई जाए, तो खूब लोग देखेंगे।

   (ग) घुंडीराज गोविंद फालके पर चलचित्र बनाने का जुनून चढ़ गया था। उन्होंने खुद को चलचित्र के लिए ही समर्पित कर दिया। फालके जी जी-जान से जुट गए। वे तरह-तरह के औज़ार जुटाने लगे। एक छोटा-सा कैमरा तथा कुछ रीलें खरीदीं। उन्होंने हर शाम चार से पाँच घंटे फ़िल्म देखना शुरू कर दिया।

   (घ) सन् 1913 में 'राजा हरिश्चंद्र' फ़िल्म से भारतीय सिनेमा का आगाज़ हुआ।

   (ङ) सिनेमा एवं फ़िल्म के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को 'दादा साहब फालके' पुरस्कार दिया जाता है।
2. (क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. यह सत्य है कि यदि लगन और जुनून हो तो मनुष्य कुछ भी कर सकता है। बिना लगन या जुनून के मनुष्य को कामयाबी नहीं मिलती। बड़े-बड़े प्रसिद्ध व्यक्तियों ने लगन और जुनून के बल पर ही सफलता की ऊँचाइयों को छुआ है। उदाहरण के तौर पर थॉमस अल्वा एडिसन को ले सकते हैं जिन्होंने बल्ब का आविष्कार किया था। एक हज़ार बार असफल होने के बाद उन्हें बल्ब बनाने में सफलता मिली। इस सफलता के पीछे उनकी लगन और जुनून ही था।
2. यह कथन सटीक है कि फ़िल्में जीवन का आईना होती हैं। ये आमतौर पर व्यावहारिक जीवन में घटित घटनाओं पर केंद्रित होती हैं। सामाजिक जीवन में जो कुछ घटित होता है फ़िल्में उसी का आईना होती हैं। उदाहरण के तौर पर कुछ फ़िल्में जैसे फ़िल्म 'शेरशाह' परमवीर चक्र विजेता शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा के जीवन पर आधारित है। इसके अलावा 'एम.एस.धोनी' भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर केंद्रित है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) की (ख) कि (ग) कि (घ) की (ङ) की (च) कि
2. (क) अधिकरण कारक (ख) संबंध कारक (ग) संबंध कारक (घ) अपादान कारक (ङ) कर्म कारक
3. (क) चाह (ख) शुरुआत (ग) उपहार (घ) मर्यादा
4. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (ii)
5. (क) फ़िल्म और साहित्य को जीवन का आईना माना जाता है।

   (ख) फ़िल्मकार लेखक द्वारा लिखित घटनाक्रम का जीवंत रूप पर्दे पर प्रकट करता है।

(ग) फ़िल्में मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर सकती हैं।

(घ) मूल शब्द-घटना, प्रत्यय-इत।

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. आलम आरा।

2. (क) निर्देशक (ख) संगीतकार (ग) निर्माता (घ) गायक (ङ) गीतकार

3-5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 13. अनुभव से सीख

I. श्रुतलेख

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. एन॰आर॰ नारायण मूर्ति ने इनफ़ोसिस कंपनी की स्थापना की थी।
2. नारायण मूर्ति ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से की थी।
3. पेरिस से भारत लौटते समय बुल्गारिया देश की पुलिस ने नारायण मूर्ति को गिरफ़्तार कर लिया था।
4. भारतीय पुराणों में आत्म-ज्ञान ही सर्वश्रेष्ठ ज्ञान माना गया है।

III. लिखित कौशल

1. (क) एन॰आर॰ नारायण मूर्ति इनफ़ोसिस कंपनी के अध्यक्ष हैं।

(ख) नारायण मूर्ति ने सन् 2007 में न्यूयार्क के 'स्टर्न स्कूल ऑफ़ बिजनेस' में भाषण दिया था।

(ग) नारायण मूर्ति ने अपने अनुभव इसलिए बाँटे ताकि उनके संघर्षों के बारे में जानकर सुनने वालों के जीवन पर एक सकारात्मक प्रभाव पड़े। वे लोग जान सकें कि कभी-कभी किस तरह परिस्थितियाँ, कोई अवसर या किसी व्यक्ति से मुलाकात उनके जीवन को नया आकार दे सकते हैं।

(घ) एक दिन रविवार की सुबह नाश्ता करते समय नारायण मूर्ति को अमरीकी विश्वविद्‌यालय के प्रसिद्‌ध कंप्यूटर वैज्ञानिक से मिलने का अवसर मिला। वे विद्‌यार्थियों के समूह के साथ कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नए-नए परिवर्तनों एवं विकास के संबंध में चर्चा कर रहे थे। वे चहुँमुखी प्रतिभा के धनी और इतने प्रभावशाली व्यक्ति थे कि किसी की भी विचारधारा को आसानी से बदल दें। नारायण मूर्ति उनसे इतना प्रभावित हुए कि नाश्ता समाप्त करके सीधे पुस्तकालय में जा पहुँचे और वहाँ उन शोध-पत्रों को ढूँढ़ निकाला, जिनका उल्लेख कंप्यूटर वैज्ञानिक ने नाश्ता करते समय किया था। उन शोध-पत्रों को पढ़ने के उपरांत जब नारायण मूर्ति पुस्तकालय से बाहर निकले तो यह निश्चय कर चुके थे कि उन्हें कंप्यूटर विज्ञान में ही अपना भविष्य बनाना है।

(ङ) सन् 1974 की बात है। नारायण मूर्ति पेरिस से भारत लौट रहे थे। रास्ते में बुल्गारिया रुके थे जहाँ से उन्होंने निस रेलवे स्टेशन पर इस्तांबुल जाने के लिए रात में 'सोफिया एक्सप्रेस' पकड़ी थी। रेलगाड़ी के डिब्बे में कुछ ऐसी गलतफ़हमी हुई कि बुल्गारिया की पुलिस ने उन्हें गिरफ़्तार कर लिया। शायद उन्हें किसी ने सूचना दी थी कि वे एक महिला सहयात्री के साथ वहाँ की सरकार के विरुद्‌ध बातचीत कर रहे हैं। एक छोटे-से कमरे में अमानवीय परिस्थितियों में उन्हें 72 घंटे तक कैद में रखा गया। इसके बाद उन्हें रिहा करके पुलिसवालों ने इस्तांबुल जाने वाली गाड़ी में गार्ड के डिब्बे में बिठा दिया।

(च) इनफ़ोसिस की नींव रखने के साथ ही नारायण मूर्ति तथा उसके सहयोगियों को चुनौतियों ने घेर लिया था। इन चुनौतियों ने उनके धैर्य की परीक्षा ली। कभी-कभी तो ऐसा लगा कि कंपनी का भविष्य अंधकारमय हो चला है। लेकिन, नारायण मूर्ति और उनके सहयोगियों ने इन चुनौतियों का डटकर सामना किया। इसी संदर्भ में नारायण मूर्ति ने कहा कि मेरा यह विश्वास है कि जब अँधेरा सबसे ज़्यादा गहरा होता है तब सुबह सबसे नज़दीक होती है।

2. (क) गलत (ख) गलत (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii) (ग) विद्‌यार्थी स्वयं करें।

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से पता चलता है कि नारायण मूर्ति अपने देश तथा देशवासियों से अत्यधिक लगाव रखते हैं। इसलिए उनके मन में देशवासियों के लिए कुछ करने का विचार अंकुरित हुआ।
2. इन पंक्तियों से हमें प्रेरणा मिलती है कि कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। हमें चुनौतियों का डटकर मुकाबला करना चाहिए। भले ही अंधकार गहरा हो पर संयम बनाए रखो क्योंकि रोशनी की किरण नज़दीक ही है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) सु + इच्छा (ख) सम् + मान (ग) प्र + उद्‌योगिकी (घ) पुस्तक + आलय
2. (क) विकसित (ख) आध्यात्मिक (ग) अमानवीय (घ) आमंत्रित (ङ) भारतीय (च) व्यक्तित्व (छ) अनुभवी (ज) नागरिक

3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) चार्ल्स बैबेज (ख) बिल गेट्स (ग) अज़ीम प्रेमजी (घ) मार्क जुकरबर्ग (ङ) शिवा अय्यादुरै (च) मार्टिन कूपर (छ) विजय शेखर शर्मा

2–5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 14. आइंस्टीन का बड़प्पन

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. अल्बर्ट आइंस्टीन। वे जर्मनी के रहने वाले थे।
2. आइंस्टीन ने दो महान बलों गुरुत्वाकर्षण और विद्युत चुंबकत्व पर काबू रखने वाले नियम की खोज की।
3. विज्ञान के अलावा आइंस्टीन का गणित की तरफ रुझान था।
4. आइंस्टीन को विद्यार्थियों से लेकर मिल-मजदूर तक सभी जानने लगे। अखबारों में उनके चित्र छपते रहते थे। इतनी ख्याति से उन्हें घबराहट होती थी।
5. आइंस्टीन अपनी वर्षगाँठ भूल गए थे।
6. विज्ञान के क्षेत्र में मनुष्य जाति की अनेक तरह सेवा करके आइंस्टीन का जीवन सफल हुआ।

III. लिखित कौशल

1. (क) आइंस्टीन ने प्रकृति के दो महान बलों गुरुत्वाकर्षण और विद्युत चुंबकत्व पर काबू रखने वाले नियम की खोज की। इन खोजों ने उन्हें सारी दुनिया में प्रसिद्धि दिलाई। इसके लिए जाति, धर्म और राष्ट्र की सीमा लांघकर लोग उन्हें बधाइयाँ देने लगे।

   (ख) आइंस्टीन की पत्नी का नाम एल्सा था। वे अपने पति की सादगी, नम्रता और तड़क-भड़क से दूर रहने वाले स्वभाव को अच्छी तरह जानती थी। अपनी वर्षगाँठ पर आइंस्टीन बढ़िया पहनें, परंतु वे अपने पति की आदतों को भली-भाँति जानती थी। पति की इन्हीं आदतों से एल्सा चिंतित रहती थीं।

   (ग) आइंस्टीन मानवता के पुजारी और विश्वशांति के प्रेमी थे। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में अनेक बड़ी-बड़ी खोजें करके मानव जाति की बहुत बड़ी सेवा की। सभी धर्मों, जाति एवं राष्ट्र के लोग उन्हें विश्व-नागरिक के रूप में प्रेम करते थे। इस तरह वे विश्व-शांति के प्रतीक बन गए।

   (घ) एक बार एक फोटोग्राफर उनकी फोटो ले रहा था। इससे वे चिढ़ गए और चित्र बिगड़ जाए इस हेतु वे जीभ निकालकर खड़े हो गए। लेकिन उनका यही फोटो दुनिया में मशहूर हो गया। महान वैज्ञानिक की बालकों जैसी अबोधता वाली फोटो खींचने वाले फोटोग्राफर की बहुत प्रशंसा हुई।

   (ङ) आइंस्टीन सादगी, नम्रता और तड़क-भड़क की दुनिया से दूर रहने वाले व्यक्ति थे। सारी दुनिया में सफल होने के बावजूद भी वे इतने नम्र थे कि यश और कीर्ति का मोह उन्हें छू तक नहीं पाया था। प्रसिद्धि और मान-सम्मान से दूर भागने वाले आइंस्टीन ने दुनिया की बिना किसी स्वार्थ के सेवा की। वे हमेशा अज्ञात और अप्रसिद्ध आदमी की तरह जीना चाहते थे। इनकी सादगी के कारण ही दुनिया उन्हें मान-सम्मान देती थी।

2. (छ) (ख) (ग) (ङ) (च) (क) (घ)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. आइंस्टीन के सिद्धांत के मुताबिक, दो वस्तुओं के बीच गुरुत्वाकर्षण की ताकत उनके द्रव्यमान और एक-दूसरे से दूरी पर निर्भर करती है। इससे वस्तुओं की गति का अनुमान लगाया जाता है। प्रत्येक ऊपर जाने वाली वस्तु नीचे अवश्य गिरती है। इससे हम जीवन के बारे में यह सीखते हैं कि जीवन में चाहे हमें कितनी भी सफलता मिल जाए, परंतु हमेशा ज़मीन से जुड़े रहना चाहिए। हमारे अंदर कभी भी अंहकार या दिखावे का भाव नहीं आना चाहिए।
2. अल्बर्ट आइंस्टीन के जीवन से हमने समय के बारे में यही सीख ली है कि समय चाहे कैसा भी हो अर्थात् हम चाहे सफलता की ऊँचाइयों को छू रहे हों तो भी हमें सामान्य आदमी की तरह जीना चाहिए। कभी भी दिखावा नहीं करना चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1.	मूल शब्द	प्रत्यय
(क)	विज्ञान	इक

(ख) प्रेम	ई
(ग) नगर	इक
(घ) मुस्कराना	आहट
(ङ) मानव	ता
(च) डाक	इया

2. (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) भाववाचक संज्ञा (ग) जातिवाचक संज्ञा (घ) जातिवाचक संज्ञा (ङ) जातिवाचक संज्ञा

3.

उद्देश्य	**विधेय**
(क) श्रीमती एल्सा	सारी भेंटें एवं कीमती संदेश लेकर आईं।
(ख) आइंस्टीन	की पचासवीं वर्षगाँठ थी।
(ग) वे	कुछ दिन पहले ही गाँव चले गए।
(घ) उन्होंने	वही पतलून खोजकर पहन ली।
(ङ) ये अखबार वाले	बात-बात पर मेरा चित्र छाप देते हैं।

4. (क) (i) (ख) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 15. सच्ची मित्रता

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. इस पाठ में सच्चे मित्र के बारे में वर्णन किया गया है।

2. जो व्यक्ति मित्र का दुख देखने पर भी दुखी नहीं होता है, वह भारी पाप करता दिखाई पड़ता है।

3. कपटी मित्र काँटे के समान होता है।

III. लिखित कौशल

1. (क) मित्र की छोटी-से-छोटी विपत्ति को भी पहाड़ के समान समझने वाला व्यक्ति सच्चा मित्र होता है।

(ख) सच्चा मित्र हमारे गुणों के बारे में सबको बताता है तथा हमारे अवगुण दूर करता है।

(ग) विपत्ति के समय सच्चा मित्र हमारा साथ देता है।

2. इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि मूर्ख सेवक, कंजूस राजा, दुश्चरित्र नारी और कपटी मित्र, ये चारों काँटे के समान दुखदाई होते हैं। इनसे हमेशा दूर ही रहना चाहिए।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

किसी के दुख में शामिल होकर, किसी की सहायता करके, किसी को बुराई के रास्ते से हटाकर अच्छाई के रास्ते पर ले जाकर तथा किसी के गुणों की प्रशंसा करके कोई व्यक्ति किसी दूसरे का सच्चा मित्र बन सकता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) गुण (ख) शंका (ग) विपत्ति (घ) पीछे (ङ) कृपण/कंजूस (च) वचन

2. (क) दादा जी का अनुमान है कि आज बारिश होगी।

(ख) दूसरों के प्रति मृदु व्यवहार रखना चाहिए।

(ग) हनुमान भगवान श्रीराम के सच्चे सेवक थे।

(घ) हमें हमेशा दूसरों की भलाई के लिए काम करना चाहिए।

(ङ) कुंभ मेले में हज़ारों संत स्नान करने आते हैं।

(अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (ii)

4. (क) फ़सलें हमारे पुण्य की गवाही देती हैं।

(ख) हम भारतीयों ने विश्व में करुणा का प्रसार किया है।

(ग) भारत के लोग मित्र से प्यार करते हैं और शत्रु को उसी की भाषा में खरा जवाब देते हैं।

(घ) भारत के लोगों ने क्षमा की भीख लुटाई है।

(ङ) मित्र और शत्रु व्याकरण की दृष्टि से एक-दूसरे के विपरीत शब्द हैं।

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) रामायण (ख) महाभारत (ग) सूरसागर (घ) पद्मावत (ङ) मेघदूत

2-4. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 16. प्राणी वही प्राणी है

I. श्रुतलेख

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. लहरों के आने पर काई फट जाती है।
2. जो हमेशा सच बोले, वही सच्चा प्राणी है।

III. लिखित कौशल

1. (क) लालच, प्राणी (ख) आगे, मरना
2. (क) इसका अर्थ है कि विपत्तियों के आने पर जो न घबराए, वही सच्चा मनुष्य है।
   (ख) माथे को फूल जैसा चढ़ाने का अर्थ है कि सच्चा मनुष्य मरने से नहीं डरता। वह अपने प्राणों को न्योछावर करने के लिए हमेशा प्रस्तुत रहता है।
   (ग) इस दुनिया में प्राणियों की कोई कमी नहीं है। कोई प्राणी बड़ा या छोटा नहीं है अपितु सब बराबर हैं।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस कविता में दूसरों की मदद करना, मुसीबतों से न घबराना, लालच में न पड़ना, सत्य बोलना, निडरता तथा समानता जैसे गुणों की चर्चा हुई है।
2. हमारी दृष्टि में व्यक्ति में सज्जनता का गुण अवश्य होना चाहिए, जो उसे श्रेष्ठता की श्रेणी में लाकर खड़ा कर देता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) छोटा, खोटा, लोटा (ख) करे, भरे, मरे (ग) फटे, कटे, रटे (घ) शूल, धूल, मूल (ङ) बैन, रैन, नैन
2. (क) लालच (ख) झूठ (ग) सच्चाई (घ) ताप (ङ) प्यास (च) अपनापन (छ) चढ़ाई (ज) अच्छाई
3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1-4. विद्‌यार्थी स्वयं करें।

नमूना प्रश्न-पत्र

(पाठ 1 से 16 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 50**

नोट – वर्तनी तथा लेखनी पर विशेष ध्यान दीजिए–

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) बच्चे और पेड़ दुनिया को हरा-भरा रखते हैं।

(ख) जो पेड़ों का महत्त्व नहीं समझते, वे दुष्कर्मों का फल चखते हैं।

(ग) आज सभ्यता वहशी बन गई है। वह पेड़ों को काट रही है।

(घ) सभ्य + ता।

(ङ) संसार, जगत।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) नीना ने लड़कों के सामने फ़ैसला किया कि हम अपना रावण का पुतला खुद बनाएँगी।

(ख) आइंस्टीन मानवता के पुजारी और विश्वशांति के प्रेमी थे। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में अनेक बड़ी-बड़ी खोजें करके मानव जाति की बहुत बड़ी सेवा की। सभी धर्मों, जाति एवं राष्ट्र के लोग उन्हें विश्व-नागरिक के रूप में प्रेम करते थे। इस तरह वे विश्व-शांति के प्रतीक बन गए।

(ग) जब पेड़-पत्ते हमसे बात करने लगे, जंगल के पशु-पक्षी हमारे साथ आत्मीयता महसूस करने लगे तथा हम प्रकृति के बीच बालक जैसे दिखाई दें तब हम कह सकते हैं कि हमने प्रकृति से संपर्क साध लिया है।

(घ) माथे को फूल जैसा चढ़ाने का अर्थ है कि सच्चा मनुष्य मरने से नहीं डरता। वह अपने प्राणों को न्योछावर करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

(ङ) गायिका सम्राट से कह रही है कि मनुष्य एक-दूसरे की सहायता करने के लिए पैदा हुआ है। वह दूसरों को मारने के लिए पैदा नहीं हुआ। वह उनकी सेवा करने के लिए ही इस धरती पर आया है।

3. निर्देशानुसार कीजिए।

(क) (i) बीमारी (ii) दीनता (ख) (i) झगड़े को और बढ़ाना (ii) अपनी ही बात कहना

(ग) (i) असभ्य (ii) अपकर्ष (घ) (i) स् + न् + इ + ग् + ध् + अ (ii) द् + उ + ष् + क् + अ + र् + म् + अ

(ङ) (i) अधिकरण कारक (ii) अपादान कारक (च) (i) गुण (ii) शंका (छ) (i) पुल्लिग (ii) स्त्रीलिंग

(ज) (i) निः + अंतर – विसर्ग संधि (ii) महत्व + आकांक्षा – दीर्घ संधि

(झ) (i) रसोईघर (उद्देश्य) से हाथ धोकर सावित्री बाहर आई। (विधेय) (ii) आइंस्टीन (उद्देश्य) की पच्चीसवीं वर्षगाँठ थी। (विधेय)

(ञ) (i) क्या रंजन के हाथ में नापने वाली टेप है? (ii) उसका आचरण राक्षसों जैसा नहीं था।

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

उत्तर के लिए संकेत-बिंदु– (i) सूचना देने वाले का नाम तथा कक्षा (ii) बालवर्ष मनाने का उद्देश्य एवं विस्तार (iii) एक निश्चित तिथि सीमा यदि छात्रों से कुछ नाम इत्यादि लेने हो। (iv) धन्यवाद।

5-6. विद्यार्थी स्वयं करें।

जाँच पत्र-1

(पाठ 1-8 पर आधारित)

कुल अंक 25

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) कवि के अनुसार जहाँ प्रेम है, वहीं ईश्वर है। अर्थात् ईश्वर सभी के हृदय में निवास करते हैं। कवि का कहना है कि पुस्तकों में स्याही से लिखी धर्म की व्याख्या उन्हें स्वीकार नहीं है। इसलिए उन्होंने अपने धर्म को 'स्याही' और शब्दों का 'गुलाम' नहीं माना है।

(ख) एक दिन बड़े बाबू ने गरीब से अपनी मेज़ साफ़ करने को कहा। वह तुरंत मेज़ साफ़ करने लगा। दैवयोग से झाड़न का झटका लगा तो दवात उलट गई और रोशनाई मेज़ पर फैल गई। बड़े बाबू यह देखते ही क्रोधित हो गए।

(ग) होटल में गांधी जी के सूप न पीने की बात पर उनके मित्र नाराज़ हो गए थे।

(घ) गोमुख जाते समय रास्ते में एक झील थी। वह पूरी की पूरी बर्फ़ से ढकी थी। लड़कों ने पत्थरों पर न चलकर झील की बर्फ़ पर चलने का सोचा। भोलाशंकर के पैरों के नीचे की बर्फ़ फट गई और वह नीचे झील में चला गया।

(ङ) इस प्रश्न का उत्तर स्मिता ने दिया कि एक तो, देवताओं की राक्षसों पर विजय हुई, दूसरा, इसी दिन राम ने रावण का वध किया। वैसे तो रावण प्रकांड विद्वान था और उसके दस सिर उसकी बुद्धि के प्रतीक थे लेकिन उसका आचरण राक्षसों जैसा था।

2. निम्नलिखित वाक्य किसने, किससे कहे?

(क) प्रिंसिपल साहब ने गजनंदन से कहा।

(ख) गरीबदास ने लेखक से कहा।

(ग) गांधी जी के मित्र ने गांधी जी से कहा।

(घ) हींगवाले ने सावित्री से कहा।

3. पाठ के आधार पर बताइए कि निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत।

(क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए।

(क) मैंने (ख) संज्ञा पदबंध (ग) सर्व+उच्च (घ) धीरे-धीरे (ङ) हँसी (च) अपादान कारक

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (i) (च) (i)

6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(क) प्रतीक्षा करना – मैं मित्र की बाट जोह रहा था।

(ख) झगड़े को और बढ़ाना – तुम्हारी तो पुरानी आदत है आग में घी डालने की।

(ग) ईर्ष्या करना – हमारी नई गाड़ी देखकर पड़ोसियों के कलेजे पर साँप लोटने लगे।

(घ) बहुत डर लगना – साँप को सामने देखकर मेरे तो हाथ-पैर ठंडे पड़ गए।

(ङ) बहुत भूख लगना – माँ जल्दी खाना दो, पेट में चूहे कूद रहे हैं।

जाँच पत्र-2

(पाठ 9-16 पर आधारित)

कुल अंक 25

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) इन पंक्तियों में लेखक के कहने का भाव यह है कि जिस प्रकार हम 'हैवानियत' शब्द तिरस्कार के रूप में प्रयोग करते हैं उसी प्रकार पशु-पक्षी 'आदमियत' शब्द का प्रयोग करते होंगे और उसी में मनुष्य के साथ रहकर उन्होंने जो बुरा अनुभव झेला उसे व्यक्त करते होंगे। अर्थात् मनुष्य के साथ उनका अनुभव अच्छा नहीं रहा है।

(ख) गायिका की बातें सुनकर सम्राट अशोक की आँखें खुल चुकी थीं। उनकी आत्मा धुल रही थी, उनका कलंक धुल रहा था। सम्राट अशोक ने शस्त्र त्यागकर बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया।

(ग) सिनेमा एवं फ़िल्म के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को 'दादा साहब फालके' पुरस्कार दिया जाता है।

(घ) इनफ़ोसिस की नींव रखने के साथ ही नारायण मूर्ति तथा उसके सहयोगियों को चुनौतियों ने घेर लिया था। इन चुनौतियों ने उनके धैर्य की परीक्षा ली। कभी-कभी तो ऐसा लगा कि कंपनी का भविष्य अंधकारमय हो चला है। लेकिन, नारायण मूर्ति और उनके सहयोगियों ने इन चुनौतियों का डटकर सामना किया। इसी संदर्भ में नारायण मूर्ति ने कहा कि मेरा यह विश्वास है कि जब अँधेरा सबसे ज़्यादा गहरा होता है तब सुबह सबसे नज़दीक होती है।

(ङ) आइंस्टीन की पत्नी का नाम एल्सा था। वे अपने पति की सादगी, नम्रता और तड़क-भड़क से दूर रहने वाले स्वभाव को अच्छी तरह जानती थी। अपनी वर्षगाँठ पर आइंस्टीन बढ़िया पहनें, परंतु वे अपने पति की आदतों को भली-भाँति जानती थी। पति की इन्हीं आदतों से एल्सा चिंतित रहती थीं।

2. निम्नलिखित पंक्तियों के अर्थ लिखिए।

(क) इन पंक्तियों में कवि ने सच्चे मित्र की पहचान बताते हुए यह कहा है कि हमारा सच्चा मित्र हमें बुरे मार्ग पर चलने से रोकता है यानी हमें बुराइयों की ओर नहीं जाने देता। हमारा मार्ग-दर्शन करके हमें सही दिशा दिखाता है। हमारे अवगुणों को दूर करके सद्गुणों का विकास करता है। सदैव हमें अच्छाई की ओर ले जाता है।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ यही है कि जो मनुष्य सदा सच बोले और सच बोलने से कभी पीछे न हटे तथा किसी के डराने-धमकाने पर भी न डरे, वही सच्चा प्राणी है।

3. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

(क) अंश (ख) नाव (ग) चतुर (घ) बालक (ङ) दिमाग (च) सोफिया एक्सप्रेस

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए।

(क) उन्होंने (ख) किसी को (ग) उतार-चढ़ाव (घ) छपी हुई (ङ) अंतिम (च) वहाँ

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (iii) (ङ) (i)

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए।

(क) हमें मानसिक संतुलन कभी नहीं खोना चाहिए।

(ख) सेनापति ने बिगुल बजाकर युद्ध का आगाज़ किया।

(ग) व्यक्ति अनुभव से ही सीखता है।

(घ) हमें चुनौतियों से नहीं घबराना चाहिए।

(ङ) क्षमा माँगने से कोई छोटा नहीं होता।